विरमचिहन

परिभाषा:

वाक्य पढ़ते समय कहाँ रुकना, कितना रुकना वाक्य का भाव कैसे प्रकट करना इत्यादि बताने के लिए जिन विविध चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विरामचिह्न कहते हैं।

विराम चिह्न निम्नलिखित प्रकार के होते हैं।

1. **पूर्ण विराम (।):** विधानात्मक वाक्य पूर्ण हुआ है यह दिखाने के लिए जिस चिह्न का प्रयोग किया जाता है, उसे पूर्णविराम कहते हैं।

   जैसे: चित्रा ने सोती हुई अरुणा को झकझोरकर उठा दिया।

2. **अल्पविराम (,):** वाक्य बोलते समय बीच-बीच में ठहरने के लिए जिस चिह्न का प्रयोग किया जाता है, उसे अल्पविराम कहते हैं।

   जैसे: चलो, जरा सैर करें।

   पार्क में बड़े, बूढ़े, जवान सभी इकट्ठा होते हैं।

3. **अर्धविराम (;):** वाक्य में जब ठहराव अल्पविराम से अधिक और पूर्णविराम से कम हो तो अर्धविराम का प्रयोग किया जाता है।

जैसे: हम आपस में कितना भी लड़ें; टकराएँ; पर बाहरी शत्रु के सामने एक हैं।

4. **प्रश्नचिह्न (?):** प्रश्न पूछने के लिए जिस चिह्न का प्रयोग किया जाता है, उसे प्रश्नचिह्न कहते हैं।

जैसे: तुम किस विद्यालय में पढ़ते हो ?

आपका ध्यान कहाँ है ?

5. **विस्मयादिबोधक चिह्न (!):** वाक्य में हर्ष, शोक, विस्मय इत्यादि व्यक्त करने के लिए जिस चिह्न का प्रयोग किया जाता है, उसे विस्मयादिबोधक चिह्न कहते हैं।

जैसे: आह ! गाड़ी छूट गई।

वाह ! कमाल कर दिया।

6. **अवतरण चिह्न :** किसीके कहे वाक्य को ज्यों–का-त्यों व्यक्त करने के लिए जिस चिह्न का प्रयोग किया जाता है, उसे अवतरण चिह्न कहते हैं।

1. **एकल अवतरण - शीर्षक, पुस्तक, संस्था का नामनिर्देश करते समय (' ') प्रयोग किया जाता है।**

   1. आपने हमारा 'स्पेसशिप' देखा।
   2. प्रेमचंद ने 'गोदान' नामक उपन्यास लिखा था।

2. **युगल अवतरण – (" ")**

   1. एक लड़के ने खड़े होकर पूछा, "वे भाषण विश्वसनीय कैसे माने जा सकते हैं ?"
   2. करुणा ने कहा "मैं व्यस्त हूँ"।